संकट | कलेक्टर की फाइलों में लबालब है पानी, मूक गौ-वंश प्यास से दम तोड़ने की कगार पर

बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा बाजा कुंड गांव

नवभारत उमरिया 15 मई। जिले में गर्मी ने अपने तेवर क्या दिखाए प्रशासन के विकास के दावों की कलई खुलकर सामने आ गई है। एक तरफ सरकार जल संस्चनाओं के नाम पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है, तो दूसरी तरफ जनपद पंचायत करकेली की ग्राम पंचायत पठारीकला का बाजा कुंड गांव बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है।

हालात इतने बदतर हैं कि इंसानों की तो छोड़िए, मूक गौ-वंश भी प्यास से दम तोडने की कगार पर है, लेकिन जिले के आला अधिकारी कलेक्ट्रेट के वातानुकूलित कमरों में बैठकर बोतल बंद ठंडे पानी के साथ विकास का खाका खींचने में मशगूल हैं।

धरातल पर गुल खिला रहे मातहत

प्रशासनिक गलियारों में लंबी-चौड़ी बयानबाजी करना आसान है, लेकिन बाजा कुंड की तपती जमीन पर नंगे पांव पानी के लिए दौड़ती मां-बेटियों का दर्द समझना मुश्किल। ग्राम पंचायत पठारी कला के कुएं और तालाब सूखकर सफेद हो चुके हैं। सवाल यह उठता है कि अगर करोड़ों खर्च करने के बाद भी जनता प्यासी है, तो क्या यह भ्रष्टाचार की गंगा नहीं बह रही? वरिष्ठ अधिकारी हर हफ्ते फाइलें पलटते हैं, लेकिन अगर वे धरातल पर उतरें तो उन्हें समझ आएगा कि उनके मातहतों ने विकास के नाम पर क्या-गुल खिलाए हैं।

कागजी घोड़े दौड़ाना बंद करे प्रशासन

पूर्व जनपद सदस्य ने मांग की है। है कि कम से कम 5 टैंकर पानी प्रतिदिन उपलब्ध कराया जाए। यह मांग नहीं, बल्कि उन ग्रामीणों का अधिकार है जिनका हक भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। अगर उमरिया जिला प्रशासन अपनी कुंभकर्णी नींद से नहीं जागा, तो आने वाले दिनों में यह जल संकट एक बड़े जन-आक्रोश का रूप ले लेगा। अब देखना यह है कि मैडम कलेक्टर फाइलों से बाहर निकलकर इस प्यासे गांव की सुध लेती हैं या नहीं।

विकास का ढोल फटा, हकीकत आई सामने

कलेक्टर को लिखे एक पत्र ने जिले के प्रशासनिक अमले के उन तमाम दावों की हवा निकाल दी है, जिनमें हर घर नल और जल संरचनाओं के कायाकल्प की बातें कही जाती थीं। पूर्व जनपद सदस्य राजा मानसिंह मरकाम की फरियाद प्रशासन के मुंह पर एक करारा तमाचा है। बाजा कुंड की 700 की आबादी के लिए प्रशासन ऊंट के मुंह में जीरा के समान दिन भर में महज एक टैंकर पानी भेजकर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर रहा है।

सौंदर्यीकरण पर लाखों खर्च, फिर भी हालात जस के तस

मोहतरा तालाब बदहाली का शिकार, पंचायत स्तर पर हो रही केवल कागजी खानापूर्ति

डिंडौरी, नवभारत 15 मई। जबलपुर-अमरकंटक मुख्य मार्ग पर बसे करंजिया विकासखंड की प्रथम ग्राम पंचायत मोहतरा का तालाब आज भी बदहाली का शिकार बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब के सौंदर्यीकरण और गहरीकरण के नाम पर कई बार लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन धरातल पर स्थिति में कोई खास सुधार दिखाई नहीं देता।

ग्रामीणों के मुताबिक हर वर्ष बरसात शुरू होने के ठीक पहले कुछ दिनों के लिए तालाब में काम शुरू कराया जाता है, लेकिन जैसे ही बारिश का मौसम आता है, काम बंद कर दिया जाता है। इसके बाद 'बरसात लग गई' कहकर पूरा मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

मवेशियों के जीवन का आधार है तालाब

ग्रामीणों का आरोप है कि इसी तरीके से वर्षों से तालाब कार्य के नाम पर राशि का बंदरबांट किया जाता रहा है। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि यह तालाब केवल जलस्रोत नहीं, बल्कि पूरे गांव की पहचान और मवेशियों के जीवन का आधार है। गर्मी के मौसम में यही तालाब इंसानों और पशुओं दोनों के लिए जीवनरेखा साबित होता है। बावजूद इसके पंचायत स्तर पर केवल कागजी खानापूर्ति और खर्च दिखाने की परंपरा जारी है।

ग्रामीणों ने की जांच की मांग

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले कार्यकाल में रहे सरपंच-सचिव के समय भी यही स्थिति बनी रही। बरसात से ठीक पहले काम शुरू कराना, फिर बारिश का बहाना बनाकर कार्य अधूरा छोड़ देना और राशि का समायोजन कर लेना एक नियमित प्रक्रिया बन चुकी थी। अब ग्रामीणों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर तालाब के नाम पर खर्च किए गए लाखों रुपये जमीन पर दिखाई क्यों नहीं दे रहे? ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

तेज आंधी-बारिश का कहर, घंटों गुल रही बिजली, जनजीवन प्रभावित

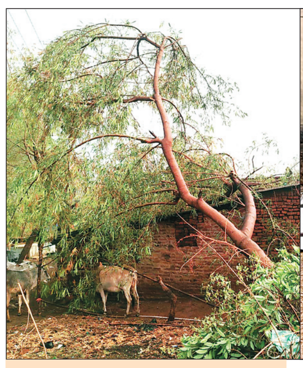

तेज हवा के कारण सांदीपनि विद्यालय का टीन शेड उड़ा

शहपुरा नवभारत 15 मई। शुक्रवार शाम करीब 5 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी, तूफान व बारिश ने पूरे क्षेत्र में जनजीवन को प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के चलते शहपुरा स्थित सांदीपनि विद्यालय का टीन शेड उड़ गया, जिससे विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार विद्यालय के कमरा नंबर 1 से 4 तक के ऊपर लगा टीन शेड पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना के समय विद्यालय में कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, जिससे सभी ने राहत की सांस ली। हालांकि टीन शेड उड़ने के बाद विद्यार्थियों की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। बारिश के मौसम में अब कक्षाओं में पानी टपकने और सुरक्षा संबंधी खतरा भी मंडरा रहा है।

विद्यालय को नए भवन में शिफ्ट करने की मांग-विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द मरम्मत कराने तथा विद्यालय को नए भवन में शिफ्ट करने की मांग की है, ताकि छात्रों को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा मिल सके। वहीं, दूसरी ओर तेज आंधी और बारिश से क्षेत्र के लोगों को भीषण गर्मी से राहत जरूर मिली, लेकिन बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। जानकारी के अनुसार कई जगह पेड़ टूटकर बिजली तारों और खंभों पर गिर गए, जिससे शाम से ही बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

पेड़ों की डालियां गिरने से आवागमन प्रभावित-खबर लिखे जाने तक कई इलाकों में बिजली बहाल नहीं हो सकी थी। आंधी-तूफान के कारण सड़कों पर पेड़ों की डालियां गिरने से आवागमन भी प्रभावित रहा। स्थानीय नागरिकों ने बिजली विभाग और प्रशासन से जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग की है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी तेज हवाओं और बारिश की संभावना जताई है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

तेज आंधी और बारिश ने रोकी डिंडौरी की रफ्तार, रानी अवंती बाई चौक बना तालाब

डिंडौरी, नवभारत 15 मई। नगर में शुक्रवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी, धूलभरी हवाओं व मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज हवा के चलते शहर के कई हिस्सों में पेड़ों की डालियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं, वहीं बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रही। अचानक बदले मौसम से लोगों को गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन शहर की व्यवस्थाओं की पोल भी खुलकर सामने आ गई। बारिश के कुछ ही देर बाद शहर का प्रमुख और व्यस्ततम क्षेत्र रानी अवंती बाई चौक जलभराव की चपेट में आ गया। चौक पर पानी इस कदर भर गया कि पूरा क्षेत्र तालाब जैसा नजर आने लगा। राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

थोड़ी सी बारिश में ही सड़कें हो जाती हैं जलमग्न- स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान रानी अवंती बाई चौक में जलभराव की स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है। नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से थोड़ी देर की बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं।

बिजली के तारों और होर्डिंग्स को भी नुकसान-तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर बिजली के तारों और होर्डिंग्स को भी नुकसान पहुंचा। बाजार क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 1 की मौत

तेज गरज-चमक के साथ बेमौसम बारिश बनी काल

चिल्हारी नवभारत 15 मई। अमरपुर चौकी अंतर्गत ग्राम पलझा में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक हादसे में ग्रामीण की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान मुन्ना बर्मन उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी पलझा के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि शाम 5 बजे अचानक मौसम बदला और तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान मुन्ना बर्मन गांव से लगे क्षेत्र में बकरी चरा रहा था, तभी अचानक गिरी आकाशीय बिजली उसकी जान ले गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और परिजन सहित ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

कुछ बकरियों के मौत की भी आशंका

सूचना मिलते ही अमरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस प्राकृतिक प्रकोप में कुछ बकरियों के भी मौत की खबर है।

45173 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य

सामान्य वनमण्डल डिण्डौरी अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य शुरू

डिण्डौरी, नवभारत 15 मई। सामान्य वनमण्डल डिण्डौरी अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण सीजन वर्ष 2026 प्रारंभ हो गया है। जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित डिण्डौरी के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य निर्धारित संग्रहण केन्द्रों के माध्यम से किया जा रहा है।

वनमण्डल डिण्डौरी अंतर्गत 17 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियां कार्यरत हैं, जिनके 327 संग्रहण केन्द्रों (फड़ों) में तेंदूपत्ता संग्रहण किया जा रहा है। संघ मुख्यालय द्वारा वर्ष 2026 हेतु डिण्डौरी जिले में 45173 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को 4000 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से संग्रहण भुगतान किया जाएगा।

अच्छी गुणवत्ता का तेंदूपत्ता करें संग्रहण

वनमण्डल डिण्डौरी अंतर्गत 14 मई की स्थिति में 16030.535 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है। वन विभाग डिण्डौरी द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक मात्रा में अच्छी गुणवत्ता का तेंदूपत्ता संग्रहण करें, जिससे उन्हें अधिक लाभ प्राप्त हो सके।

क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो में मिला 60 किलो से अधिक गांजा

वाहन छोड़कर फरार हुए तस्कर

चिल्हारी नवभारत 15 मई। जिले के मानपुर जनपद अंतर्गत चिल्हारी-बरदौहा मार्ग पर शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन पुलिया के पास यूकेलिप्टिस के पेड़ से जा टकराई। हादसा इतना जबरदस्त था कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन जब सुबह ग्रामीणों ने मौके का मंजर देखा तो कहानी सिर्फ सड़क हादसे तक सीमित नहीं रही।

स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर अमरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची तो दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो से आधे क्विंटल से अधिक अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि हादसे के बाद वाहन में सवार सभी लोग मौके से फरार हो चुके थे। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि वाहन में सवार लोग गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं।

हरियाणा पासिंग की है स्कॉर्पियो-बरामद स्कॉर्पियो का रजिस्ट्रेशन नम्बर एचआर 51 सीडी 1948 बताया जा रहा है, जो हरियाणा पासिंग का है। इस मामले में सूत्रों की माने तो दुर्घटनाग्रस्त स्कार्पियो वाहन से करीब 60 किलो से अधिक गांजे के बरामदगी की खबर है। हालांकि पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि वाहन पर लगा नम्बर असली है या फर्जी, क्योंकि अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी में फर्जी नम्बर प्लेट का इस्तेमाल आम बात मानी जाती है।

फरार आरोपियों की तलाश तेज- घटना के बाद इलाके में हड़कंप की स्थिति है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर गांजा जब्त कर लिया है और फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। माना जा रहा है कि यह खेप किसी बड़े नेटवर्क के जरिए मध्यप्रदेश के रास्ते सप्लाई की जा रही थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

शिक्षक भागवत यादव ने किया रक्तदान

युवाओं को दिया सेवा का संदेश

डिंडौरी, नवभारत 15 मई। रक्तदान को महादान कहा जाता है और इसी भावना को चरितार्थ करते हुए शिक्षक एवं समाजसेवी भागवत यादव ने शुक्रवार को अपने जीवन का 72वां रक्तदान कर मानव सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके साथ अजय यादव ने चौथी बार तथा मुकेश यादव ने अपने जीवन का पहला रक्तदान किया।

रक्तदान के दौरान सामाजिक सरोकार और मानवता की भावना देखने को मिली। भागवत यादव लंबे समय से जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान करते आ रहे हैं और अब तक दर्जनों लोगों की जिंदगी बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। उनके इस 72वें रक्तदान ने युवाओं को भी समाजसेवा के लिए प्रेरित किया।

रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य कार्य : अजय-पहली बार रक्तदान करने वाले मुकेश यादव ने कहा कि रक्तदान के बाद उन्हें आत्मिक संतोष की अनुभूति हुई और अब वे नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करेंगे। वहीं, अजय यादव ने कहा कि रक्तदान किसी भी व्यक्ति के लिए सबसे बड़ा पुण्य कार्य है, क्योंकि इससे किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है।

अभियान | बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में ग्रीष्मकालीन गणना 22 से

पहली बार गरूड़ ऐप में दर्ज होंगे गिद्धों के आंकड़े

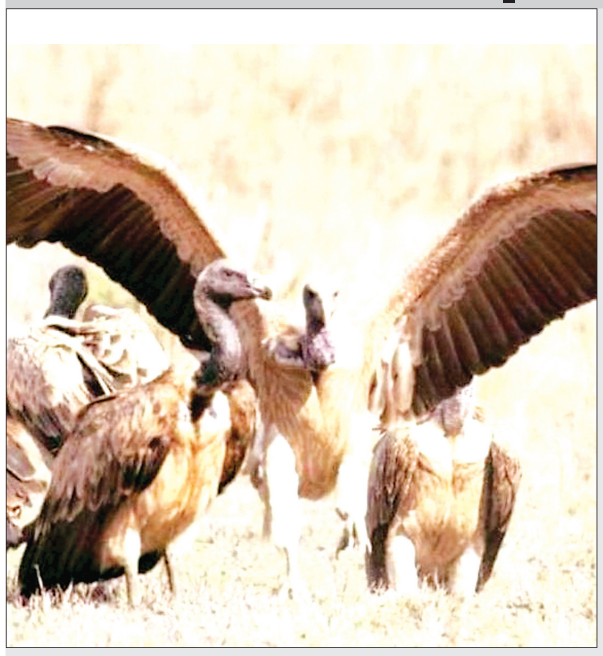

नवभारत उमरिया 15 मई। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व मे इस वर्ष ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। 22 से 25 मई तक आयोजित होने वाले इस महत्वपूर्ण अभियान में आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जाएगा।

वन विभाग द्वारा पहली बार 'गरुड़ ऐप' का उपयोग बड़े स्तर पर किया जा रहा है, जिससे गिद्धों की संख्या, प्रजाति और उनकी गतिविधियों का सटीक आंकलन किया जा सके। वन विभाग का मानना है कि गिद्ध पर्यावरण संतुलन बनाए रखने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मृत पशुओं को तेजी से नष्ट कर यह पक्षी संक्रमण और बीमारियों के फैलाव को रोकने में मदद करते हैं। ऐसे में उनकी घटती संख्या वन्यजीव संरक्षण के लिए चिंता का विषय है। इसी कारण गिद्धों की नियमित गणना और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण

अभियान को सफल और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए गत दिवस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमे बीटीआर के क्षेत्र संचालक, उप संचालक, समस्त सहायक संचालक, वन परिक्षेत्र अधिकारी तथा मैदानी अमले ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को गिद्धों की पहचान, उनकी प्रजातियों के अंतर, रहवास क्षेत्रों की शिनाख्त तथा ऐप आधारित डेटा एंट्री की जानकारी दी गई।

250 वनकर्मी लेंगे हिस्सा

क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने बताया कि प्रदेशव्यापी इस ग्रीष्मकालीन गणना अभियान मे बांधवगढ़ की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने कहा कि गिद्धों की पहचान और प्रजातिवार गणना अत्यंत तकनीकी कार्य है, इसलिए मैदानी कर्मचारियों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। अभियान में करीब 250 वनकर्मी और 10 से 20 एनजीओ प्रतिनिधि शामिल होंगे।

बीते साल मिले थे 700 गिद्ध

उन्होंने बताया कि गणना के दौरान गिद्धों के बसेरों, जल स्त्रोतों और भोजन स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सभी दलों को अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा, ताकि कोई भी क्षेत्र छूट न सके। जानकारी के मुताबिक विगत गणना में यहां 700 से अधिक गिद्ध दर्ज किए गए थे। क्षेत्र में मुख्य रूप से व्हाइट रम्प्ड, लॉन्ग बिल्ड, रेड हेडेड तथा इजिप्शियन गिद्ध पाए जाते हैं। इनमें कुछ प्रजातियां विलुप्ति के खतरे से जूझ रही हैं।

डिजिटल कार्य प्रणाली की दी गई जानकारी

मॉडल स्कूल में ऑन जॉब ट्रेनिंग प्रशिक्षण प्रारंभ

करंजिया, नवभारत 15 मई। बुधवार को शासकीय मॉडल स्कूल करंजिया के आईटी एवं सिक्योरिटी ट्रेड के विद्यार्थियों की ऑन जॉब ट्रेनिंग का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान एवं कार्य अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

आईटी ट्रेड के छात्र-छात्राओं को लोक सेवा केंद्र करंजिया में प्रबंधक अजय जैन द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जहां उन्हें ऑनलाइन सेवाएं, दस्तावेज़ प्रबंधन, कंप्यूटर संचालन एवं डिजिटल कार्य प्रणाली की जानकारी दी जा रही है। वहीं, सिक्योरिटी ट्रेड के विद्यार्थियों को थाना करंजिया में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जहां पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा व्यवस्था, अनुशासन, साइबर सुरक्षा, यातायात नियम एवं नागरिक सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं।

सुबोध व दीपेंद्र का विशेष योगदान-इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में व्यावसायिक प्रशिक्षक सुबोध सिंगरहा एवं दीपेंद्र चौहान का विशेष योगदान रहा। थाना करंजिया के थाना प्रभारी श्याम सुंदर उसराठे एवं पुलिस स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। विद्यालय के प्राचार्य केशव प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।